

**UGC NET PAPER 3 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 HINDI QUESTION PAPER**

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सिद्धों में प्रचलित 'महामुद्रा' शब्द का अभिप्राय है :
 

(1) सिद्धि हेतु आसन का एक रूप	(2) सिद्धि हेतु की जाने वाली एक क्रिया
(3) सिद्धि प्राप्त हेतु स्त्री-संसर्ग	(4) सिद्धि प्राप्त हेतु स्त्री से विरक्ति
  
2. "जायसी के शृंगार में मानसिक पक्ष प्रधान है, शारीरिक गौण है।"- यह कथन किस आलोचक का है ?
 

(1) रामचंद्र शुक्ल	(2) विजयदेवनारायण साही
(3) रामपूजन तिवारी	(4) श्याममनोहर पांडेय
  
3. "इसमें कोई सन्देह नहीं कि कबीर को 'राम-नाम' रामानंद जी से ही प्राप्त हुआ। पर आगे चल कर कबीर के 'राम' रामानंद के 'राम' से भिन्न हो गए।" - यह कथन किसका है ?
 

(1) राहुल सांकृत्यायन	(2) रामचंद्र शुक्ल	(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी	(4) माताप्रसाद गुप्त
-----------------------	--------------------	--------------------------	----------------------
  
4. विट्ठलनाथ ने वल्लभ संप्रदाय में किस तरह की पूजा-पद्धति का समावेश किया ?
 

(1) बालकृष्ण की उपासना	(2) युगलोपासना
(3) राधा-स्तुति	(4) कांताभाव की उपासना
  
5. "सचिव बैद गुरु तीनि ज्यों प्रिय बोलहिं भय आस।  
राज, धर्म, तन तीनि कर होहिं बेगिहीं नास ॥"  
यह दोहा 'रामचरितमानस' के किस कांड में है ?
 

(1) बालकांड	(2) अयोध्याकांड	(3) सुन्दरकांड	(4) लंकाकांड
-------------	-----------------	----------------	--------------
  
6. डॉ. पीतांबरदत्त बड़थवाल के अनुसार 'रामचंद्रिका' है :
 

(1) असाधारण महाकाव्य	(2) फुटकर कवित्तों का संग्रह
(3) छंदों का अजायबघर	(4) अलंकार मंजूषा
  
7. रीतिमुक्त कविता की प्रमुख प्रवृत्ति है :
 

(1) स्वानुभूति और स्वच्छंदता	(2) अलंकरण
(3) विरोधवैचित्र्य	(4) विरहातिरेक

8. “सीख सिखाई न मानति है, बर ही बस संग सखीन के आवै।  
खेलत खेल नए जल में, बिना काम बृथा कत जाम बितावै।  
छोड़ि कै साथ सहेलिन को, रहि के कहि कौन सवा दहि पावै।  
कौन परी यह बानि, अरी! नित नीर भरी गगरी ढरकावै।।”  
इस सवैया में नायिका की सखी का कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है ?  
(1) अनुराग (2) क्रोध (3) उपालंभ (4) ईर्ष्या
9. “घुसती है लाल-लाल मशाल अजीब सी,  
अंतराल-विवर के तम में  
लाल-लाल कुहरा,  
कुहरे में, सामने, रक्तालोक-स्नात पुरुष एक  
रहस्य साक्षात!!”  
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ मुक्तिबोध की किस कविता से हैं ?  
(1) एक स्वप्न कथा (2) मुझे याद आते हैं (3) अंधेरे में (4) मुझे कदम-कदम पर
10. ‘प्रियंवद’ निम्नलिखित में से किस कविता से संबंधित पात्र है ?  
(1) प्रलय की छाया (2) असाध्यवीणा (3) ब्रह्मराक्षस (4) कामायनी
11. ‘मधुशाला’ का प्रकाशन वर्ष है :  
(1) 1935 (2) 1934 (3) 1936 (4) 1933
12. ‘भारतेन्दु ने जिस प्रकार हिन्दी गद्य की भाषा का परिष्कार किया, उसी प्रकार काव्य की ब्रजभाषा का भी।’ – इस पंक्ति के लेखक हैं :  
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) रामकुमार वर्मा (3) शिवदानसिंह चौहान (4) रामविलास शर्मा
13. खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है :  
(1) साकेत (2) प्रियप्रवास (3) कामायनी (4) लोकायतन
14. कामाध्यात्म की समस्या निम्नलिखित में से किस रचना में उठाई गई है ?  
(1) आत्मजयी (2) संशय की एक रात (3) उर्वशी (4) कनुप्रिया
15. “क्षत्रिय! उठो अब तो कुयश की कालिमा को मेट दो।  
निज देश को जीवन सहित तन मन तथा धन भेंट दो।  
वैश्यो सुनो व्यापार सारा मिट चुका है देश का।  
सब धन विदेशी हर रहे हैं, पार है क्या क्लेश का।।”  
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :  
(1) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (2) मैथिलीशरण गुप्त (3) प्रतापनारायण मिश्र (4) रामधारीसिंह दिनकर



16. “हमें प्रयोगवादी कहना उतना ही सार्थक या निरर्थक है जितना हमें कवितावादी कहना।”  
उक्त कथन किसका है ?  
(1) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय (2) गजानन माधव मुक्तिबोध  
(3) लक्ष्मीकान्त वर्मा (4) कुंवरनारायण
17. “आधुनिक नारी अब अपनी पूरी गरिमा, देह-संपदा और वास्तविक सम्मान के साथ आई है। औरतें अब औरतें हैं, वे झूठी सती या वेश्याएं नहीं हैं, इसलिए नयी कहानी खलनायिकाओं से शून्य है।”- नयी कहानी के संबंध में उपर्युक्त कथन किसका है ?  
(1) कमलेश्वर (2) राजेन्द्र यादव (3) मोहन राकेश (4) निर्मल वर्मा
18. “सिख अमलदारी को उखाड़ती हुई ब्रिटिश साम्राज्यशाही का चित्रण किस उपन्यास में हुआ है ?  
(1) बसंती (2) मय्यादास की माड़ी (3) कुन्तो (4) समय सरगम
19. ‘भारतीय काव्य-शास्त्र का नवनिर्माण’ - शीर्षक निबंध के लेखक हैं :  
(1) नंददुलारे वाजपेयी (2) रामविलास शर्मा (3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) रामचन्द्र शुक्ल
20. “साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध” - ग्रंथ के रचनाकार हैं :  
(1) जयशंकर प्रसाद (2) अज्ञेय (3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) महादेवी वर्मा
21. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जीवनी नहीं है ?  
(1) कलम का मजदूर (2) कलम का सिपाही  
(3) मेरी पत्नी और भेड़िया (4) ‘प्रेमचंद’ घर में
22. फणीश्वरनाथ रेणु के किस उपन्यास में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर बिहार के पूर्णिया जिले में आए हिंदू शरणार्थियों की दारुण कथा का चित्रण है ?  
(1) मैला आंचल (2) जुलूस (3) परती परिकथा (4) कलंक मुक्ति
23. “अतएव, दो बालुकापूर्ण कगारों के बीच में एक निर्मल - स्रोतस्विनी का रहना आवश्यक है।”  
यह संवाद ‘चन्द्रगुप्त’ नाटक के किस पात्र का है ?  
(1) चन्द्रगुप्त (2) चाणक्य (3) सिल्यूकस (4) राक्षस
24. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न सुरेन्द्र वर्मा के किस नाटक में आया है ?  
(1) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक  
(2) आठवाँ सर्ग  
(3) नायक खलनायक विदूषक  
(4) शकुन्तला की अंगूठी
25. रससूत्र ‘विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः’ किस ग्रंथ में आया है ?  
(1) साहित्यदर्पण (2) नाट्यशास्त्र (3) रसगंगाधर (4) दशरूपक

26. जहाँ बिना कारण के ही कार्य की संभावना व्यक्त की गई हो, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है ?  
 (1) विभावना (2) निदर्शना (3) असंगति (4) अर्थान्तरन्यास
27. निम्नलिखित में से कौन-सा रस का अवयव नहीं है ?  
 (1) भाव (2) विभाव (3) अनुभाव (4) संचारीभाव
28. निम्नलिखित में से कौन-सा काव्य गुण नहीं है ?  
 (1) श्लेष (2) माधुर्य (3) शक्ति (4) समाधि
29. “काव्य की पूर्ण अनुभूति के लिए कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता दोनों के लिए अनिवार्य है।”  
 उक्त कथन किस आचार्य का है ?  
 (1) रामचंद्र शुक्ल (2) नगेन्द्र (3) नंददुलारे वाजपेयी (4) हजारीप्रसाद द्विवेदी
30. अरस्तू द्वारा रचित ‘पोएटिक्स’ (On Poetics) नामक ग्रंथ में कितने अध्याय हैं ?  
 (1) 26 अध्याय (2) 25 अध्याय (3) 24 अध्याय (4) 23 अध्याय
31. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मार्क्सवादी सिद्धान्त के अनुकूल नहीं है ?  
 (1) मार्क्सवादी दर्शन का अनिवार्य घटक है द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद।  
 (2) मनुष्य के समस्त सामाजिक संबंध उसके उत्पादन संबंधों पर आधारित होते हैं।  
 (3) समाजवाद और साम्यवाद में आर्थिक तथा सामाजिक परिपक्वता में अन्तर होता है।  
 (4) साम्यवादी व्यवस्था में भी राज्य तथा समस्त राजनीतिक और कानूनी ढाँचे बने रहेंगे।
32. निम्नलिखित में से किसका संबंध उत्तर-आधुनिकता से नहीं है ?  
 (1) जॉक देरिदा (2) डेनियल बेल (3) रोलां बार्थ (4) रेमंड विलियम्स
33. “पीर भरो जिय धीर धरै नहिं  
 कैसे रहे जल जाल के बाँधे ?”  
 उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में स्त्री की किस मनःस्थिति का संकेत किया गया है ?  
 (1) दुःखातिरेक (2) दुख का कम होना  
 (3) पीड़ा में आनंद की अनुभूति (4) पीड़ा से मुक्ति का उपक्रम
34. तुलसीदास ने ‘रामचरितमानस’ के किस कांड में कलियुग का वर्णन किया है ?  
 (1) बालकांड (2) अयोध्याकांड (3) अरण्यकांड (4) उत्तरकांड
35. “स्नेह-निर्झर बह गया है।  
 रेत ज्यों तन रह गया है।”  
 उपरोक्त गीत किस कवि का है ?  
 (1) जयशंकर प्रसाद (2) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (3) नरेन्द्र शर्मा (4) रामकुमार वर्मा



36. 'आत्मजयी' की कथावस्तु निम्नलिखित में से किस पर आधारित है ?  
 (1) छांदोग्योपनिषद् (2) कठोपनिषद् (3) केनोपनिषद् (4) बृहदारण्यकोपनिषद्
37. 'सूनी घाटी का सूरज' उपन्यास के लेखक हैं :  
 (1) श्रीलाल शुक्ल (2) नरेश मेहता (3) हिमांशु श्रीवास्तव (4) शैलेश मटियानी
38. 'काम और राम' का द्वन्द्व किस उपन्यास में चित्रित है ?  
 (1) मानस का हंस (2) चित्रलेखा (3) खंजननयन (4) नाच्यौ बहुत गोपाल
39. "कि मैं इस घर से ही अपने अन्दर कुछ ऐसी चीज लेकर गयी हूँ जो किसी भी स्थिति में मुझे स्वाभाविक नहीं रहने देती।"  
 'आधे-अधूरे' नाटक के प्रस्तुत संवाद का सम्बन्ध किस पात्र से है ?  
 (1) बड़ी लड़की (2) छोटी लड़की (3) स्त्री (4) लड़का
40. 'कारवाँ' किस का एकांकी संग्रह है ?  
 (1) उपेन्द्रनाथ अशक (2) विष्णु प्रभाकर (3) रामकुमार वर्मा (4) भुवनेश्वर प्रसाद
41. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :  
 (1) राउलवेल, कुवलयमाला कथा, वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्तिप्रकरण  
 (2) उक्तिव्यक्तिप्रकरण, वर्णरत्नाकर, कुवलयमाला कथा, राउलवेल  
 (3) कुवलयमाला कथा, राउलवेल, उक्तिव्यक्तिप्रकरण, वर्णरत्नाकर  
 (4) वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्तिप्रकरण, राउलवेल, कुवलयमाला कथा
42. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :  
 (1) हंस जवाहिर, पुहुपावती, यूसुफ जुलेखा, अनुराग बांसुरी  
 (2) पुहुपावती, हंस जवाहिर, यूसुफ जुलेखा, अनुराग बांसुरी  
 (3) पुहुपावती, हंस जवाहिर, अनुराग बांसुरी, यूसुफ जुलेखा  
 (4) अनुराग बांसुरी, हंस जवाहिर, पुहुपावती, यूसुफ जुलेखा
43. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :  
 (1) कीर्तिलता, भक्तमाल, छिताईवार्ता, चित्रावली  
 (2) भक्तमाल, छिताईवार्ता, कीर्तिलता, चित्रावली  
 (3) चित्रावली, कीर्तिलता, भक्तमाल, छिताईवार्ता  
 (4) छिताईवार्ता, कीर्तिलता, भक्तमाल, चित्रावली

44. प्रकाशन वर्ष के अनुसार अज्ञेय की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
- (1) इत्यलम, आंगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों में कितनी बार
  - (2) हरी घास पर क्षण भर, इत्यलम, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार
  - (3) इत्यलम, हरी घास पर क्षण भर, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार
  - (4) हरी घास पर क्षण भर, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, इत्यलम
45. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
- (1) श्रांतपथिक, प्रेममाधुरी, मिलन, प्रियप्रवास
  - (2) प्रेममाधुरी, श्रांतपथिक, मिलन, प्रियप्रवास
  - (3) प्रियप्रवास, श्रांतपथिक, प्रेममाधुरी, मिलन
  - (4) प्रेममाधुरी, श्रांतपथिक, प्रियप्रवास, मिलन
46. प्रकाशन वर्ष के अनुसार महादेवी वर्मा की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
- (1) नीहार, दीपशिखा, नीरजा, रश्मि
  - (2) दीपशिखा, नीहार, रश्मि, नीरजा
  - (3) नीरजा, नीहार, रश्मि, दीपशिखा
  - (4) नीहार, रश्मि, नीरजा, दीपशिखा
47. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :
- (1) शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतभूषण अग्रवाल
  - (2) भवानीप्रसाद मिश्र, शमशेर बहादुर सिंह, भारतभूषण अग्रवाल, गजानन माधव मुक्तिबोध
  - (3) भवानीप्रसाद मिश्र, शमशेर बहादुर सिंह, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतभूषण अग्रवाल
  - (4) शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, भारतभूषण अग्रवाल, गजानन माधव मुक्तिबोध
48. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
- (1) कठगुलाब, शाल्मली, आपका बंटी, चित्तकोबरा
  - (2) आपका बंटी, चित्तकोबरा, शाल्मली, कठगुलाब
  - (3) चित्तकोबरा, आपका बंटी, कठगुलाब, शाल्मली
  - (4) शाल्मली, कठगुलाब, चित्तकोबरा, आपका बंटी
49. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :
- (1) क्रिकेट मैच, कफ़न, बड़े भाई साहब, दो बैलों की कथा
  - (2) कफ़न, बड़े भाई साहब, क्रिकेट मैच, दो बैलों की कथा
  - (3) दो बैलों की कथा, बड़े भाई साहब, कफ़न, क्रिकेट मैच
  - (4) बड़े भाई साहब, दो बैलों की कथा, क्रिकेट मैच, कफ़न



50. रचना-काल के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :
- (1) एक और द्रोणाचार्य, मादा कैक्टस, सिंहासन खाली है, द्रौपदी
  - (2) द्रौपदी, सिंहासन खाली है, मादा कैक्टस, एक और द्रोणाचार्य
  - (3) सिंहासन खाली है, द्रौपदी, एक और द्रोणाचार्य, मादा कैक्टस
  - (4) मादा कैक्टस, द्रौपदी, सिंहासन खाली है, एक और द्रोणाचार्य
51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :
- (1) वाद विवाद संवाद, साहित्य और इतिहास दृष्टि, कामायनी: एक पुनर्विचार, प्रेमचंद और उनका युग
  - (2) कामायनी: एक पुनर्विचार, प्रेमचंद और उनका युग, वाद विवाद संवाद, साहित्य और इतिहास दृष्टि
  - (3) प्रेमचंद और उनका युग, कामायनी: एक पुनर्विचार, साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाद विवाद संवाद
  - (4) साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाद विवाद संवाद, प्रेमचंद और उनका युग, कामायनी: एक पुनर्विचार
52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :
- (1) और-और औरत, एक कहानी यह भी, हादसे, कस्तूरी कुण्डल बसै
  - (2) हादसे, और-और औरत, कस्तूरी कुण्डल बसै, एक कहानी यह भी
  - (3) कस्तूरी कुण्डल बसै, हादसे, एक कहानी यह भी, और-और औरत
  - (4) एक कहानी यह भी, कस्तूरी कुण्डल बसै, और-और औरत, हादसे
53. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :
- (1) आधे-अधूरे, अंधायुग, स्कन्दगुप्त, भारत जननी
  - (2) स्कन्दगुप्त, अंधायुग, भारत जननी, आधे-अधूरे
  - (3) भारत जननी, स्कन्दगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे
  - (4) आधे-अधूरे, भारत जननी, अंधायुग, स्कन्दगुप्त
54. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :
- (1) साहित्यदर्पण, वक्रोक्तिजीवितम्, ध्वन्यालोक, कविकण्ठाभरण
  - (2) कविकण्ठाभरण, ध्वन्यालोक, साहित्यदर्पण, वक्रोक्तिजीवितम्
  - (3) वक्रोक्तिजीवितम्, कविकण्ठाभरण, साहित्यदर्पण, ध्वन्यालोक
  - (4) ध्वन्यालोक, वक्रोक्तिजीवितम्, कविकण्ठाभरण, साहित्यदर्पण
55. निम्नलिखित मार्क्सवादी चिन्तकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :
- (1) कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, ब्लादीमीर इलिच लेनिन, माओ-त्से-तुंग
  - (2) फ्रेडरिक एंगेल्स, कार्ल मार्क्स, माओ-त्से-तुंग, ब्लादीमीर इलिच लेनिन
  - (3) ब्लादीमीर इलिच लेनिन, कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, माओ-त्से-तुंग
  - (4) माओ-त्से-तुंग, कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, ब्लादीमीर इलिच लेनिन

**निर्देश :** प्रश्न संख्या 56 से 65 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक **स्थापना (Assertion) (A)** है और दूसरा **तर्क (Reason) (R)** है। कोड में दिए गए विकल्पों में से **सही** विकल्प का चयन कीजिए।

**56. स्थापना (Assertion) (A) :** काव्य हृदय का परम उत्थान है और विज्ञान मस्तिष्क का चरम उत्कर्ष है।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि विज्ञान हृदय को शान्ति तो नहीं दे पाता लेकिन काव्य का उत्कर्ष जीवन की सभी बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

**कोड :**

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) गलत (R) गलत | (2) (A) गलत (R) सही |
| (3) (A) सही (R) सही | (4) (A) सही (R) गलत |

**57. स्थापना (Assertion) (A) :** लोक आख्यान की निर्मिति सामूहिक अचेतन की प्रक्रिया है।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि लोक में इसके निर्माण की प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है।

**कोड :**

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) सही (R) गलत | (2) (A) सही (R) सही |
| (3) (A) गलत (R) गलत | (4) (A) गलत (R) सही |

**58. स्थापना (Assertion) (A) :** जयशंकर प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का समन्वय है।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि उनके नाटकों की संरचना पश्चिमी और आत्मा भारतीय है।

**कोड :**

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) गलत (R) सही | (2) (A) सही (R) सही |
| (3) (A) सही (R) गलत | (4) (A) गलत (R) गलत |

**59. स्थापना (Assertion) (A) :** कलाकार सत्य को सुन्दर बनाकर शिवत्व की उपलब्धि करता है।  
**तर्क (Reason) (R) :** इसीलिए सृजन व्यापार कलाकार का आत्मकल्याण है, लोकमंगल नहीं।

**कोड :**

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) गलत (R) सही | (2) (A) गलत (R) गलत |
| (3) (A) सही (R) गलत | (4) (A) सही (R) सही |

**60. स्थापना (Assertion) (A) :** भूमंडलीकरण विश्व की पूँजीवादी सांस्कृतिक व्यवस्था है, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' नहीं।

**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि पूँजीवादी व्यवस्था ने स्थानीय संस्कृति को सम्पूर्णतः नष्ट कर दिया है और अब पूरा विश्व ही एक परिवार है।

**कोड :**

- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) गलत (R) सही | (2) (A) सही (R) गलत |
| (3) (A) सही (R) सही | (4) (A) गलत (R) गलत |



61. **स्थापना (Assertion) (A) :** पश्चिम के नए ज्ञानोदय ने बहुस्तरीय वर्चस्ववाद का निषेध किया।  
**तर्क (Reason) (R) :** इसी कारण साहित्यिक चेतना में न केवल विखण्डन समाप्त हुआ, बल्कि ऐकात्मकता को बढ़ावा मिला।
- कोड :**
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) सही (R) सही | (2) (A) सही (R) गलत |
| (3) (A) गलत (R) सही | (4) (A) गलत (R) गलत |
62. **स्थापना (Assertion) (A) :** सांस्कृतिक एकरूपता साहित्य के लोकतंत्र में अनिवार्य है।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि बहुलतावाद साहित्यिक संवेदना को खण्डित करता है।
- कोड :**
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) सही (R) सही | (2) (A) सही (R) गलत |
| (3) (A) गलत (R) गलत | (4) (A) गलत (R) सही |
63. **स्थापना (Assertion) (A) :** हिन्दी अभिव्यक्ति की एक सम्पूर्ण और सशक्त सर्वसमावेशी बहुलतावादी सांस्कृतिक इकाई है।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि भारत के एक बड़े भूभाग की बोलियों का समूह इसकी शक्ति को बढ़ाता है।
- कोड :**
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) सही (R) गलत | (2) (A) गलत (R) सही |
| (3) (A) गलत (R) गलत | (4) (A) सही (R) सही |
64. **स्थापना (Assertion) (A) :** जैसे वीरकर्म से पृथक् वीरत्व कोई पदार्थ नहीं, वैसे ही सुन्दर वस्तु से पृथक् सौन्दर्य कोई पदार्थ नहीं।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि सौंदर्य बाहर की कोई वस्तु नहीं है, मन के भीतर की वस्तु है। जो भीतर है वही बाहर है।
- कोड :**
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) गलत (R) गलत | (2) (A) गलत (R) सही |
| (3) (A) सही (R) सही | (4) (A) सही (R) गलत |
65. **स्थापना (Assertion) (A) :** मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति हैं।  
**तर्क (Reason) (R) :** क्योंकि इन्हीं साधनाओं के माध्यम से मनुष्य अविरोधी सत्य तक पहुँच सका है। संस्कृति इसी अविरोधी सत्य का पर्याय है।
- कोड :**
- |                     |                     |
|---------------------|---------------------|
| (1) (A) सही (R) सही | (2) (A) सही (R) गलत |
| (3) (A) गलत (R) गलत | (4) (A) गलत (R) सही |

66. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध ग्रंथों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) राघवचेतन	(i) सूरसागर
(b) श्रीदामा	(ii) रामचरितमानस
(c) शबरी	(iii) पदमावत
(d) चंदा	(iv) चित्रावली
	(v) चंदायन

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

67. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) वैराग्य संदीपनी	(i) नूर मुहम्मद
(b) विरह मंजरी	(ii) तुलसीदास
(c) इंद्रावती	(iii) नंददास
(d) वीरसिंह देवचरित	(iv) हितहरिवंश
	(v) केशवदास

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(v)	(iv)	(ii)	(i)



68. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) मधुमालती	(i) मंझन
(b) रासपंचाध्यायी	(ii) रसखान
(c) भक्तिप्रताप	(iii) चतुर्भुज दास
(d) प्रेमवाटिका	(iv) नंददास
	(v) ध्रुवदास

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(iii)	(ii)	(v)	(i)

69. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) मिलन यामिनी	(i) रघुवीर सहाय
(b) दिल्ली	(ii) शमशेर बहादुर सिंह
(c) सागर मुद्रा	(iii) स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(d) इतने पास अपने	(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'
	(v) हरिवंशराय 'बच्चन'

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)
(3)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(4)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

70. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		सूची-II	
(a)	लाला मदनमोहन	(i)	भाग्यवती
(b)	नाहर सिंह	(ii)	वामा शिक्षक
(c)	लाला भगवान दास	(iii)	परीक्षागुरु
(d)	वासुदेव शास्त्री	(iv)	रहस्यकथा
		(v)	नूतन ब्रह्मचारी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(v)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

71. निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I		सूची-II	
(a)	विष्णु प्रभाकर	(i)	कथा एक कंस की
(b)	जगदीशचन्द्र माथुर	(ii)	सूर्यमुख
(c)	लक्ष्मीनारायण लाल	(iii)	युगे-युगे क्रान्ति
(d)	भीष्म साहनी	(iv)	दशरथनंदन
		(v)	रंग दे बसंती

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)



72. निम्नलिखित आचार्यों को उनके द्वारा लिखित ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) दण्डी	(i) रसगंगाधर
(b) उद्भट	(ii) काव्यालंकारसारसंग्रह
(c) मम्मट	(iii) काव्यादर्श
(d) पंडितराज जगन्नाथ	(iv) काव्यप्रकाश
	(v) अलंकार सर्वस्व

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(v)	(ii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(4)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

73. निम्नलिखित सिद्धान्तकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) सास्युर दे फर्डिनांड	(i) लिटरेचर एण्ड रियलिटी
(b) जार्ज लूकाच	(ii) टेंशन इन पोयट्री
(c) एलेन टेट	(iii) स्टडीज इन यूरोपियन रियलिज्म
(d) हावर्ड फास्ट	(iv) कोर्स इन जनरल लिंग्विस्टिक्स
	(v) मार्क्सिज्म एण्ड पोयट्री

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

74. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचयिता कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

**सूची-I**

- (a) तू है गगन विस्तीर्ण तो मैं एक तारा क्षुद्र हूँ।  
 (b) निकल रही है उर से आह, ताक रहे सब तेरी राह।  
 (c) जल उठा स्नेह दीपक-सा, नवनीत हृदय था मेरा।  
 अब शेष धूमरेखा से, चित्रित कर रहा अंधेरा।।  
 (d) अरुण अधरों की पल्लव प्रात, मोतियों सा हिलता हिम हास।

**सूची-II**

- (i) मैथिलीशरण गुप्त  
 (ii) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'  
 (iii) जयशंकर प्रसाद  
 (iv) सुमित्रानंदन पंत  
 (v) महादेवी वर्मा

कोड :

- |     | (a)   | (b)   | (c)   | (d)   |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (1) | (ii)  | (i)   | (iii) | (iv)  |
| (2) | (i)   | (iii) | (ii)  | (v)   |
| (3) | (iii) | (iv)  | (v)   | (i)   |
| (4) | (v)   | (i)   | (ii)  | (iii) |

75. 'चन्द्रगुप्त' नाटक के निम्नलिखित पात्रों को उन के संवादों से सुमेलित कीजिए :

**सूची-I**

- (a) चन्द्रगुप्त  
 (b) दाण्ड्यायन  
 (c) कार्नेलिया  
 (d) चाणक्य

**सूची-II**

- (i) भूमा का सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभास मात्र हो जाता है, उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन नहीं अभिभूत कर सकते।  
 (ii) संसार-भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्मसम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है।  
 (iii) भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।  
 (iv) मुझे इस देश से जन्मभूमि के समान स्नेह होता जा रहा है।  
 (v) मैंने एक अलौकिक वीरता का स्वर्गीय दृश्य देखा है।

कोड :

- |     | (a)  | (b)   | (c)   | (d)   |
|-----|------|-------|-------|-------|
| (1) | (iv) | (iii) | (i)   | (v)   |
| (2) | (ii) | (i)   | (iv)  | (iii) |
| (3) | (v)  | (iv)  | (iii) | (ii)  |
| (4) | (i)  | (ii)  | (v)   | (iv)  |



Space For Rough Work

**prepp**  
Your Personal Exam Guide